an>

Title: Need to increase the number of working women's hostel in the country.

श्रीमती रीती पाठक (सीधी) : अध्यक्ष महोदया, मैं आपकी आभारी हूं कि आपने मुझे इस महत्वपूर्ण विषय को उठाने की अनुमति प्रदान की है। हम सभी को ज्ञात है कि हमारी सरकार ने महिलाओं के सशक्तीकरण हेतु और उन्हें सबल बनाने के लिए कितने अभिनव प्रयास किए हैं। जो मेरा प्रदेश मध्य प्रदेश है, वहां के मुखिया ने तो बेटियों को बचाने के लिए एक अभिनव प्रयास किया है।

अध्यक्ष महोदया, मैं आज जो विषय उठाने जा रही हूं, वह काफी संवेदनशील विषय है। यह समाज से जुड़ा हुआ है और केन्द्र और हमारे राज्य, दोनों की ही संवेदनाओं से जुड़ा हुआ है। एक महिला अपने परिवार का भरण-पोषण करने के लिए या अपने सपनों को पूरा करने के लिए काम करने की इच्छा ज़ाहिर करती है। जब वह घर से बाहर निकलती है तो स्वाभाविक रूप से वह अकेली होती है। चाहे उसे केन्द्र की तरफ से काम करने का अवसर प्राप्त हो या राज्य की तरफ से या किसी निजी व्यक्तिगत संस्थान में काम करने का अवसर मिला हो, स्वाभाविक रूप से जब वह बाहर जाकर किसी आवास के लिए प्रयास करती है तो जिस तरह से हमारे केन्द्र सरकार और राज्य सरकार ने आवास-गृह की एक व्यवस्था बनाई है तो आज के समय में यह देखा जा रहा है कि उन आवास-गृहों की जो व्यवस्था है, वह उनके लिए पर्याप्त नहीं हो पाती है। उस स्थिति में उन्हें किसी व्यक्तिगत आवास में आश्रय लेना पड़ता है या फिर डर कर कहीं रहना पड़ता है।

माननीय अध्यक्ष : वर्किंग वीमेन होस्टल्स की संख्या बढ़ाने के बारे में आप कहना चाहती हैं?

श्रीमती रीती पाठक: महोदया, मैं चाहती हूं कि केन्द्र सरकार और राज्य सरकार के सामंजस्य से उनके लिए एक नहीं, बल्कि कई महिला आवास-गृहों की व्यवस्था की जाए, जिससे वे स्वस्थ मानसिक अवस्था में काम करने के लिए अपने आप को समर्थ महसूस करें।

HON. SPEAKER:

Shri Bhairon Prasad Mishra,

Shri Alok Sanjar,

Shrimati Anju Bala,

Shrimati Neelam Sonker,

Shrimati Rekha Verma,

Shri Sharad Tripathi and

Kunwar Pushpendra Singh Chandel are permitted to associate with the issue raised by Shrimati Riti Pathak.